(ख) परियोजना के लिए साढे तीन वर्ष की अवधि के लिए भारत सरकार का अशदान 11,05,000 रुपये होगा, जिसमे मुख्य रूप से समकक्ष और सहायता सबधी कर्मचारी, लेखन-सामग्री और काष्ठ-निष्कासन प्रशिक्षण परियोजना के मुख्यालय देहरादून मे कार्यालय का स्थान शामिल है ।

(ग) इस परियोजना के क्रिया-वयन से प्राप्त होने वाले लाभ निम्नलिखित है —

(1) आधुनिक औजारो और उनके उपयोग के आधुनिक तकनीको मे वन के कार्यकर्त्ताओ को परिचित कराके मूल काष्ठ-निष्कासन मे उनकी क्षमता बढाना । इसका तात्पर्य यह होगा कि उत्पादकता मे महत्वपूर्ण वृद्धि होगी, जिसके फलस्वरूप वास्तविक रूप से भारत के काष्ठ-निष्कासन उद्यमो की अधिक वित्तीय लाभ होगा ।

(2) भारतीय वन अधिकारियो को मूल काष्ठ-निष्कासन, सडक से परे के वे परिवहन और लबी दूरी के परिवहन के सबध मे उच्च स्तर की प्रौद्योगिकी प्रदान करना ।

उपर्युक्त दोनो लाभ आवश्यक समझे जाते है, क्योकि काष्ठ-निष्कासन सबधी कार्यों मे भारतीय वानिकी के कुल व्यय का लगभग 70 प्रतिशत व्यय होता है ।

जामिया मिलिया टिचर्स ट्रेनिंग कालेज, दिल्ली के विद्यार्थियो की मांगें

*176 श्री ओम प्रकाश त्यागी क्या शिक्षा, समाज कल्याण और सस्कृति मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) जामिया मिलिया टीचर्स ट्रेनिंग कालेज, दिल्ली के विद्यार्थियो की अपनी हाल की हड़ताल के समर्थन मे क्या मांगे है ; और

(ख) सरकार ने अब तक इस संबध में क्या कार्यवाही की है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) (क) जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, इसके शिक्षक प्रशिक्षण कालेज के छात्रों ने न तो हड़ताल की और न कोई मागे ही रखी ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।

महाराष्ट्र में 'टाइगर प्रोजेक्ट' के लिए हवाई सर्वेक्षण

*177. श्री लक्ष्मण राव मानकर : क्या कृषि और सिंचाई मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या पूर्वी महाराष्ट्र की टाइगर प्रोजेक्ट योजना का सर्वेक्षण कार्य पूरा नही किया गया था क्योकि सैंट्रल जलोजिकल सर्वे, हैदराबाद द्वारा उसका हवाई सर्वेक्षण नही किया गया था ;

(ख) क्या इस योजना का हवाई सवक्षण कार्य इस वर्ष पूरा करने का प्रस्ताव है; और

(ग) क्या सरकार का विचार इस परियोजना के आदिवासी क्षेत्र मे होने के कारण इसे प्राथमिकता प्रदान करने का है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) (क) से (ग) महाराष्ट्र सरकार के महा वनपाल द्वारा उपलब्ध की गई सूचना के अनुसार महाराष्ट्र के मेलघाट बाघ परियोजना क्षेत्र के हवाई सर्वेक्षण के लिए अभी तक कोई प्रस्ताव नही किया गया है । इसके अतिरिक्त, इस वर्ष के दौरान परियोजना क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण करने का कोई प्रस्ताव नही है ।